



मा. अखिलेश यादव
राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी



प्रखर समाजवादी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, देश के पूर्व रक्षामंत्री धरती पुत्र

श्रद्धेय नेता जी मा. मुलायम सिंह यादव जी

की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि कोटि नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि



कलीम खां
जिलाध्यक्ष



अर्विंद सिंह यादव
पूर्व विधायक



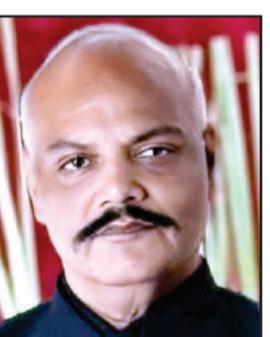
ताहिर हुसैन सिद्दीकी
पूर्व विधायक



कल्यान सिंह दोहरे
पूर्व विधायक



अनिल पाल
पूर्व विधायक



अनिल आर्या
वरिष्ठ सपा नेता



सुनील कुमार गुप्ता
मुन्ना भड़या
पूर्व विधायक



यश दोहरे
पूर्व विधायक



पीपी सिंह बघेल
विधायक सभा क्षेत्र अध्यक्ष कन्जौज



शारद यादव
विधायक सभा क्षेत्र अध्यक्ष



उमेश पाल
विधायक सभा क्षेत्र अध्यक्ष



अंशु पाल
जिलाध्यक्ष सलोला



योगेश कर्मा
जिलाध्यक्ष छात्रसभा



गुलायुद्दीन खान
निर्वतमान जिलाध्यक्ष समुस



मुनीश राजोरा
पूर्व जिला पंचायत सदस्य



सतीश राजकुमार
पूर्व जिला नेता



मनोज दीक्षित
समाजवादी सेवक



जय कुमार तिवारी
बउअन
वरिष्ठ सपा नेता



कुक्कु चौहान
वरिष्ठ सपा नेता

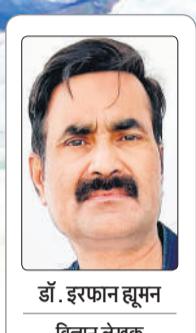


राज सिंह
पूर्व नगर पालिका
प्रत्याशी गुरसहायगंज



हर्सीन हर्सन
युवजन सभा प्रदेश उपाध्यक्ष

भा रतीय इंजीनियर, नवप्रवर्तक और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक ने अपने वैज्ञानिक और तकनीकी योगदानों के माध्यम से न सिर्फ लद्दाख, बल्कि दुनिया को कई बड़े आविष्कार दिए हैं। कहते यहां तक हैं कि श्री ईडियट फिल्म में आमिर खान वाला किरदार फुंगसुक, वांगचुक से ही प्रेरित था। आइए आपको बताते हैं कि उन्होंने अपने आविष्कारों और खोजों से कैसे जिंदगी को आसान बनाया है।



डॉ. ईरफान हूमान
विज्ञान लेखक

लाई-फाई आधारित माउंटेन-टॉप लेजर 5जी इंटरनेट

सोनम वांगचुक ने लाईफाई (लाईट फिलिंटी) तकनीक का उपयोग करके लद्दाख में दुनिया का पहला माउंटेन-टॉप लाईफाई लेजर 5 जी इंटरनेट सिस्टम स्थापित किया। यह तकनीक आविष्कार (विशेष रूप से लेजर बीम) का उपयोग करके डेटा ट्रांसमिट करती है, जो पारापरिक रेडियो आवारित टेलीकॉम टावरों का एक ऊर्जा-कुशल और पर्यावरण अनुकूल विकल्प है। इस सिस्टम में पहली क्षेत्रों में इंटरनेट की पहुंच को संभव बनाया, जहां सामाय टेलीकॉम सिस्टम बाधित हो जाते हैं।

इस सिस्टम में एक लेजर ट्रांसमीटर को फाहड़ की ओरी पर स्थापित किया जाता है, जो रेडियो सिस्टम को लेजर बीम में परिवर्तित करता है। यह लेजर बीम, जिसमें 10 जीवीपीएस (गैगाबिट्स प्रति सेकंड) की बैंडविड्थ होती है। इसीकारण इस सिस्टम को स्थानीय टेलीकॉम टावर या स्कूल ने खालीनों तक पहुंचाता है। कठोर हिमालयी परिस्थितियों में उपकरणों को सुरक्षित रखने के लिए वांगचुक ने यार बैक के लिए एक विशेष केसिंग डिजाइन की, जो आंतरिक तापमान को लगभग 15 डिग्री सेल्सियस पर बनाए रखती है। खास बात यह है कि यह सिस्टम पारापरिक टेलीकॉम टावरों की तुलना में बहुत कम ऊर्जा (केवल कुछ रोटा) का उपयोग करता है। वांगचुक ने दावा किया कि यह तकनीक सैलेनाइट्स, गुगल के बैतून या एमाजन के सैलेनाइट्स जैसे समाधानों के तुलना में कम प्रदूषण और कम अंतरिक चरण करवा पाया करती है। इहाँ को अब बाधा के बजाय प्राकृतिक टावर के रूप में उपयोग किया जाता है, जिससे लद्दाख को जल्दी पिछल जैसे क्षेत्रों में इंटरनेट पहुंच संभव हुई। बताते चले कि कोविड-19 महामारी के दौरान, जब ऑनलाइन शिक्षा की आवश्यकता बढ़ी, इस तरह तकनीक ने स्कूलों और ग्रामीण क्षेत्रों को तुलना में एक ऐसी तकनीक विकासित की, जो पानी को निघले क्षेत्रों में तब समय तक उपलब्ध करा सके।

वांगचुक ने जल संरक्षण के लिए एक अनुरूपी तकनीक, आइस स्टूप, विकसित की। यह कृत्रिम हिमनद (ग्लैशियर) है, जो सारियों में पानी को बढ़ा के शंकु के रूप में जमा करते हैं। ग्रनियों में यह बर्फ धीरे-धीरे पिछलकर खेती और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराती है। एक आइस स्टूप 10 हेक्टेयर जमीन की सिंचाई करने में सक्षम है, जिसने लद्दाख जैसे शुक्ल क्षेत्रों में जल संकट को कम करने में मदद की। इस नवाचार को वैशिक स्तर पर सराहना मिली और इसे जलवायु परिवर्तन से निपटने का प्रभावी समाधान माना जाता है। इस तकनीक का उद्देश्य जल संकट को कम करना, टिकाऊ खेतों को बढ़ावा देना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना और स्थानीय समुदायों को आत्मनिर्भाव बनाना है।

कृत्रिम हिमनद-आइस स्टूप

वांगचुक ने लद्दाख में ग्रनियों के दौरान पानी की कमी और किसानों की समस्याओं को देखा। पारापरिक ग्लैशियर ऊंचाई पर होने के कारण जल्दी पिछल जाते हैं और पानी का उपयोग सीमित होता है। इस समस्या को हल करने के लिए उन्होंने एक ऐसी तकनीक विकासित की, जो पानी को निघले क्षेत्रों में तब समय तक उपलब्ध करा सके।

वांगचुक ने जल संरक्षण के लिए एक अनुरूपी तकनीक, आइस स्टूप, विकसित की। यह कृत्रिम हिमनद (ग्लैशियर) है, जो सारियों में पानी को बढ़ा के शंकु के रूप में जमा करते हैं। ग्रनियों में यह बर्फ धीरे-धीरे पिछलकर खेती और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराती है। एक आइस स्टूप 10 हेक्टेयर जमीन की सिंचाई करने में सक्षम है, जिसने लद्दाख जैसे शुक्ल क्षेत्रों में जल संकट को मदद की। इस नवाचार को वैशिक स्तर पर सराहना मिली और इसे जलवायु परिवर्तन से निपटने का प्रभावी समाधान माना जाता है। इस तकनीक का उद्देश्य जल संकट को कम करना, टिकाऊ खेतों को बढ़ावा देना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना और स्थानीय समुदायों को आत्मनिर्भाव बनाना है।

सौर ऊर्जा आधारित तकनीक

वांगचुक ने पैसिंग सोलर विलिंग तकनीक विकसित की, जो लद्दाख जैसे ठंडे क्षेत्रों में ऊर्जा-कुशल इमारतें बनाने में मदद करती है। इसे इमारतें सीधे ऊर्जा को उपयोग करके गमन रखती हैं और जीवाशम ईंधन की आवश्यकता को समाप्त करती है। उनके द्वारा डिजाइन किया गया सीईसीएल (स्टूट्टगर्ट एज्यूकेशनल एंड कॉर्परेट उपलब्ध करता है), जो खालीने पर हल्का है, जो खालीने पर हल्का है, जो खालीने पर हल्का है।

सेना के लिए सौर टेंट

वांगचुक ने भारतीय सेना के लिए सौर ऊर्जा से संचालित पीएसटी (पैसिंग सोलर टेंट) विकसित किया, जो लद्दाख जैसे ठंडे और सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों के लिए गमनी और ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये टॉर्नरूपी क्षेत्रों में सौर ऊर्जा को उपलब्ध कराते हैं, जो सैनिकों को जलवायु परिवर्तन के बढ़ते नियमों से बचाए रखता है। यह नवाचार न केवल सैनिकों के जीवन को आसान बनाता है, बल्कि पर्यावरण अनुकूल और लागत प्रभावी तरीके से राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करता है।

जिंदगी बदल देने वाले वांगचुक के आविष्कार

पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ खेती

वांगचुक ने लद्दाख में सैकड़ों हेक्टेयर बंजर जमीन को उपजाने में योगदान दिया। आइस स्टूप के माध्यम से पानी की उत्तलिता बढ़ाने के अलावा, उन्होंने टिकाऊ खेती के तरीके विकसित किए, जिससे हजारों पेड़ तक दूसरी बारी लगाए गए। यह लद्दाख के नाजुक परिस्थितिकी तरीके से संरक्षित करने में महत्वपूर्ण रहा। वांगचुक ने लद्दाख की सैकड़ों हेक्टेयर बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने में योगदान दिया। लद्दाख का शुक्ल और ठंडा मरुस्तलीय क्षेत्र खेती के लिए चुनौतीपूर्ण है, लेकिन उनके प्रयासों से बंजर खेती को हरित क्षेत्रों में बदला गया। वांगचुक ने हजारों पेड़ लगाए, विशेष रूप से वे प्रजातियां, जो लद्दाख की कठोर जलवायु में जीवित रह सकती हैं, जैसे विलों और पीपलर। ये पेड़ मिट्टी की विश्वर करते हैं और नमी बनाए रखते हैं। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के बजाय जीवित खेती के तरीकों को प्रोत्साहित किया, जो मिट्टी की उर्वरता को दीर्घकालिक रूप से बनाए रखता है।

शिक्षा सुधार के लिए तकनीकी दृष्टिकोण

सोनम वांगचुक ने 1988 में सीईसीएल की स्थापना की, जो लद्दाख के ग्रामीण बच्चों को ग्रीनिकल और पर्यावरण कोंड्रिनिंग शिक्षा प्रदान करता है। उन्होंने पारंपरिक शिक्षा प्राचीनी की चुनौती दी और कृति, पर्यावरण और व्यावहारिक ज्ञान पर आधारित एक शैक्षिक मॉडल विकसित किया। उन्होंने पारंपरिक शिक्षा प्राचीनी की कमियों को पहचाना और अप्रेरण नहीं होके प्रत्येक बच्चे को जलवाया और अप्रेरण करता है।

उनके इन नवाचारी कार्यों के लिए उन्हें स्मार्टमैसेज़ पुरस्कार (2018) मिला, जिसे 'पौर्णिया का नोबेल पुरस्कार' माना जाता है। इसके अलावा रोलेवस अवॉर्ड फॉर एटरप्राइज़ (2016), ग्लोबल अवॉर्ड फॉर सर्टेनेवल आर्किटेक्चर (2017) और अशोक फैलोशिप फॉर सोशल एंटरप्रायरिश (2002) से नवाजा गया।

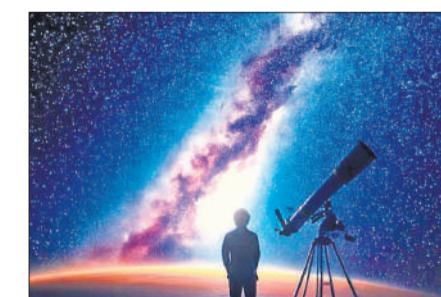


टेक अपडेट्स

जोहो मेल : बढ़िया फीचर्स के साथ इंडियन मेल सर्विस



रहस्य का पिटारा है डार्क मैटर



आकाशगंगाओं का घूमना

आकाशगंगाओं के बाहरी हिस्सों में तारे बहुत तेजी से घूमते हैं। यह घूमते हुए कहीं से कहीं भी पूँछ संकरते हैं। लैंगिन ऐसा होता नहीं है। वह सिर्फ दिखाई देने वाले पदार्थ के गुरुत्वाकर्षण से बंधे नहीं हैं। इसका मतलब है कि वह कुछ अदृश्य अतिरिक्त द्रव्यमान है, जो उन्हें एक साथ बाधकर रखता है।

आकाशगंगाओं का निर्माण

ब्रह्मांड में हजारों आकाश गगरए हैं। यह हमें पता है कि ब्रह्मांड लगातार विस्तार ले रहा है। ऐसे में आकाश गंगाएं बिखर सकती हैं, लैंगिन डार्क मैटर का स्वरूप है कि वह कुछ ही कम संकरता है। इसी वज्र से इसे गुरुत्वाकर्षण से बंधा होता है।

ब्रह्मांडीय संरचना का विकास

वैज्ञानिकों का मानना है कि डार्क मैटर ने ब्रह्मांड के ग्राहण की गति वैज्ञानिकों के निर्माण के लिए एक ढांचा दिया है। यह एक विश्वर कार्य है जो वैज्ञानिकों के बाहरी कार्यों को बढ़ावा देता है। डार्क मैटर का स्वरूप यह है कि वह किसी गोले के बाहरी कार्यों को बढ़ावा देता है। यह एक विश्वर कार्य है जो वैज्ञानिकों के बाहरी कार्यों को बढ़ावा देता है।

बाजार	सेसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,172.10	25,181.80
बढ़त	398.44	135.65
प्रतिशत में	0.49	0.54

सोना 1,26,600 प्रति 10 ग्राम
चांदी 1,63,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 10 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

अब अमेजन इंडिया पर मिलेंगी रॉयल एनफील्ड

नई दिल्ली। प्रीमियम ब्रॉडसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड की 350 सीरीजी की स्पीष्टी भौतिक साइकिल अब ऑनलाइन ई-कॉमर्स ब्रॉडबैंड अमेजन से खरीदी जा सकेंगी। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बातों में कहा कि फिलहाल पांच प्रमुख शहरों आहमदाबाद, चैन्सी, हैदराबाद, दिल्ली और पुणे के ग्राहकों के लिए ही यह सेवा शुरू की गई है। बायान में कहा गया कि कर्मसिक 350, बुले 350, हैटर 350, गोअन ललासिक 350 और नई मैटरर 350 अमेजन इंडिया पर रॉयल एनफील्ड ब्रॉडबैंड के बिक्री केंद्र के जरिये बेटी जाएगी।

इंडिगो पर लगा 20 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। नगर विमानन नियमक डीजीसीए ने पायातं प्रशिक्षण में कथित खामियों के लिए इंडिगो पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी इस फैसले को बुझती देने की योजना बना रही है। इंडिगो ने शेर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसे 26 सितंबर को नगर विमानन नियमित देशलय (डीजीसीए) से जुर्माने के संबंध में नोटिस मिला है। कंपनी सूचना के अनुसार, 20 लाख रुपये का जुर्माना श्री हाईकोर्ट 350 पर पायातं प्रशिक्षण के लिए योग्य 'मॉटरलर' का उपयोग करने में कथित विकल्प के लिए लगाया गया है। अमेजन पर श्री 'सी' के हवाई अड्डों की पहुंच और परिवालन विद्युतियों द्वारा छोड़ी गयी है।

टाटा स्टील का कच्चा

इस्पात उत्पादन 7% बढ़ा नई दिल्ली। प्रमुख इस्पात कंपनी टाटा स्टील का चाल वितर वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत में केवल इस्पात का उत्पादन 7% बढ़कर 56.7 लाख टन हो गया। झारखण्ड के जमशेदपुर में लार्टर फर्नेस की रोलाइंग के पूरा होने के बाद परिवालन समाप्त होने की वजह अपनी कंपनी के उत्पादन में बढ़ावा दी गई है। कंपनी ने शेर बाजार को दी सूचना में बताया कि चाल वितर वर्ष 2025-26 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में टाटा स्टील इंडिया का कच्चा इस्पात उत्पादन 56.7 लाख टन हो। तिमाही अधार पर उत्पादन में आठ प्रतिशत और सालाना अधार पर 7% की वृद्धि हुई।

द्राई के स्पेक्ट्रम की कीमतें तय होने के बाद भारत वैश्विक दबाव के आगे नहीं झुकेगा : चौहान

भारत की वृद्धि गाथा का हिस्सा बनें वैश्विक निवेशक : प्रधानमंत्री

गोदी बोले- प्रौद्योगिकी के बाल सुविधा का साधन नहीं, समाज का माध्यम भी है

ब्रोबल फिनेटक फेस्ट

मुंबई, एजेंसी



अकासा एयर की सह-संस्थापक नीलू खत्री का इस्तीफा

नई दिल्ली। अकासा एयर की सह-संस्थापक और वरिष्ठ उपायक्ष (परिचालन) नीलू खत्री ने इस्तीफा दे दिया है। गुरुवार को एयरलाइन कंपनी ने पुष्टि की कि खत्री ने एप्रिल तयार यात्रा को नई दिया देने के लिए कंपनी छोड़ने का फैसला किया है।

इससे पहले सूत्रों ने बताया था कि

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री ने एकासा एयर के बिंदीय स्टार्टअप के लिए योग्य देशों में बैठक की तैयारी की।

खत्री

